न्यू हॉराइज़न स्कूल विषय - हिंदी कक्षा दूसरी सामयिक परीक्षा 1

कक्षा 2

पाठ 1

भारत माता

पाठ का सार

यह किवता देश प्रेम की भावना जागृत करती है। भारत देश हमारी पहचान है। हम अपने देश का माता की तरह आदर करते हैं। भारत माता से हमें प्रेम, सम्मान मिलता है। भारत माता हमारी पहचान है। जन्म लेने के बाद से ही भारत माता हमें सब कुछ देती है। इस की धरती से हमें अन्न और जल मिलता है और हम बलवान बनते हैं। इसी धरती पर रह कर हम सब कुछ हासिल करते हैं और बड़े बनते हैं। माता पिता से बढ़कर सिर्फ़ एक भारत माता ही है जिस से हमारा नाता जुड़ा है। इस किवता का उददेश्य है कि हमें अपने देश को कभी नहीं भूलना चाहिए।

कठिन शब्द		
आँचल	प्यार	
जन्मते	बलवान	
पाल पोसकर	अन्न	
दुलराया	गता	

शब्द अर्थ		
पाल - पोसकर - देख - रेखकर	नाता - संबंध	
जन्मते ही - पैदा होते ही	बलवान - ताकतवर	
अन्न - अनाज	जल - पानी	

प्रश्न उत्तर

- प्र 1. जन्म लेते ही हमें गोदी में किस ने बैठाया ?
- उ . जन्म लेते ही भारत माता ने हमें गोद में बैठाया ।
- प्र 2. अपने देश का अन्न जल खाकर हम क्या बनते हैं?
- उ . अपने देश का अन्न जल खाकर हम बलवान बनते हैं।
- प्र 3. हमें पाल पोसकर बड़ा कौन करती है ?
- उ. भारत माता हमें पाल पोसकर बड़ा करती है।
- प्र 4. हमें किसे नहीं भूलना चाहिए ?
- उ . हमें भारत माता को नहीं भूलना चाहिए ।

पाठ २ काकू का नया स्कूल पाठ का सार

काकू एक छोटा बच्चा है । काकू को ढेर सारी किवताएँ याद हैं । माँ ने बताया कि कल वह नए स्कूल जाएगा । वह सोचने लगा कि उसका नया स्कूल कैसा होगा ? अगले दिन वह माँ के साथ स्कूल गया । उसके स्कूल का फाटक मज़बूत लोहे का नहीं बिल्क दो ऊँचे पेड़ थे जिनकी डालियों पर सुन्दर फूल झूल रहे थे । फाटक के पीछे एक बड़ा बगीचा था जहाँ रंग बिरंगे पक्षी चहचहा रहे थे । काकू अपना स्कूल देखकर हैरान रह गया । उसके स्कूल का भवन रेलगाड़ी के छः डिब्बे थे । उसकी कक्षा रेलगाड़ी का अंतिम डिब्बा थी । कक्षा के अंदर सामने की दीवार पर ब्लैकबोर्ड था । बच्चों के बैठने के लिए लम्बी लम्बी सीटें थी । खिड़कियों पर रंग बिरंगी झंडियाँ उड़ रही थी और दीवारों पर सुंदर सुंदर चित्र लगे थे । कक्षा में बैठे बच्चे काकू को अपने पास बुलाने लगे । तभी माँ की आवाज़ सुनाई दी । काकू अपने सपने से जागा और सोचने लगा 'काश मेरा सपना सच हो जाता ।'

कठिन शब्द		
कविताएँ	चिड़िया	
मज़बूत	घोंसला	
ईंट-पत्थर	अंतिम	
झंडियाँ	चित्र	
निराला		

शब्द अर्थ		
फाटक - मुख्य दरवाज़ा	निराला - अनोखा	
हैरान - चिकत	झिझकना - शर्माना	
सवाल - प्रश्न	अंतिम - सब के बाद	

प्रश्न उत्तर

- प्र1. काकू के नए स्कूल का फाटक कैसा था?
- काकू के नए स्कूल का फाटक दो पेड़ थे, जिनकी डालियों पर सुंदर फूल झूल रहे थे ।
- प्र2. काकू रुककर क्या देखने लगा?
- उ .काकू रुककर पीली चिड़िया का बोतल जैसा घोंसला देखने लगा I
- प्र 3. काकू के नए स्कूल का भवन कैसा था?
- उ काकू के नए स्कूल का भवन रेलगाड़ी के छह डिब्बे थे।
- प्र4. काकू को देख कर कक्षा में बैठे बच्चे क्या कहने लगे ?
- उ कक्षा में बैठे बच्चे काकू को अपने पास बुलाने लगे ।

पाठ 3

चिड़ा – चिड़िया

पाठ का सार

एक किसान अपनी पत्नी के साथ पेड़ की छाया में खाना खा रहा था। पास में उनका बच्चा लेटा हुआ था। तभी एक चींटी ने बच्चे को काट लिया। बच्चा रोने लगा। बच्चे को चुप कराने के लिए माँ ने एक रोटी का टुकड़ा मुँह में डाल दिया। किसान ने समझाया कि बच्चे को खिचड़ी खिलाओ। वहीं पेड़ पर एक चिड़िया का घोंसला था। चिड़िया भी अपने बच्चों को खिचड़ी खिलाना चाहती थी। चिड़ा ने उसको समझाया कि खिचड़ी बनाना सरल नहीं, उसके लिए दाल और साथ ही चावल, नमक और मसाला चाहिए। तब चिड़ा ने बताया कि किसान कितनी मेहनत से अनाज उगाता है। चिड़ा ने समझाया कि हमें अन्न बरबाद नहीं करना चाहिए। जो चीजें हमें खाने के लिए मिलती है, हमें उसे खाना चाहिए।

शब्द अर्थ		
अकल की खोटी - कम अकल वाली	चिरैया - चिड़िया	
पसीना बहाना - मेहनत करना	बटोरना - इकट्ठा	करना
जन - लोग	सजीले - सुंदर	

कठिन शब्द		
घोंसला	प्रेम	
बुद्धि	पहलवान	
जन		

प्रश्न उत्तर

- प्र 1. बच्चे को चूप कराने के लिए किसान की पत्नी ने क्या किया ?
- उ बच्चे को चुप कराने के लिए किसान की पत्नी ने उसके मुँह में रोटी का टुकड़ा डाल दिया।
- प्र 2. छोटा बच्चा रोटी क्यों नहीं खा सकता ?
- उ . छोटा बच्चा रोटी नहीं खा सकता क्योंकि उसके मुँह में दाँत नहीं है।
- प्र 3. खेत किस से जोता जाता है?
- उ. खेत हल से जोता जाता है।
- प्र 4. चिड़िया अपने बच्चों को खिचड़ी क्यों खिलाना चाहती थी?
- उ. चिड़िया अपने बच्चों को खिचड़ी खिलाना चाहती थी क्योंकि उन के मुँह में दाँत नहीं है।